205 यूनिट रक्तदान किया

भास्कर संवाददाता | गंगरार

मेवाड़ युनिवर्सिटी में स्व. भंवरलाल गदिया एवं स्व. नंदलाल गदिया की स्मृति के उपलक्ष्य में रक्तदान शिविर लगा। चेयरपर्सन डॉ. अशोक कुमार गदिया एवं उनकी माता ने उद्घाटन किया। शिविर में 205 यूनिट रक्तदान किया गया। सांवलिया हॉस्पिटल चित्तौड़ के डॉ. अनिल सैनी एवं उनकी टीम द्वारा सेवाएं दी गई। शिविर में युनिवर्सिटी के प्राध्यापकों, स्टाफ एवं छात्र-छात्राओं ने रक्तदान किया। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस होने पर यूनिवर्सिटी के कृषि विभाग द्वारा द साइंस ऑफ मशरूम टेक्नोलॉजी फॉर हेल्थ, वैल्थ एंड प्रोस्पेरिटी विषय पर संगोष्ठी भी की गई। मेवाड़ युनिवर्सिटी एवं जीवन धारा ऑफ ग्रोविंग मशरूम सीकर के संयुक्त उद्यम से युनिवर्सिटी में मशरूम ट्रेनिंग सेंटर प्रारंभ किया गया। उदघाटन चेयरपर्सन डॉ. अशोक कुमार गदिया एवं जीवन धारा के चेयरमैन मोटाराम शर्मा द्वारा किया।

Dainik Bhaskar 29-02-2020

शिविर में 205 यूनिट रक्तदान, मशरूम ट्रेनिंग सेंटर स्थापित

गंगरार। मेवाड़ विश्वविद्यालय में भंवर लाल गदिया एवं नन्द लाल गदिया की स्मृति में आयोजित रक्तदान शिविर में 205 यूनिट रक्तदान किया गया। शिविर का उदघाटन विश्वविद्यालय के चैयरपर्सन डॉ. अशोक कुमार गदिया ने किया । डॉ. गदिया का मानना हैं कि रक्तदान अन्य कई दान से बढ़कर हैं क्योंकि इसमें आप जीवन दान देते हैं एवं प्रत्येक वयस्क व्यक्ति को रक्तदान करना चाहिए जिससे जरूरतमन्द को सहायता मिल सके एवं रक्तदान समाज सेवा का एक बड़ा स्त्रोत हैं जिसमें आप भागीदारी निभा सकते हैं। शिविर में सांवलिया हॉस्पिटल चित्तौड़ के डॉ. अनिल सैनी एवं उनकी टीम द्वारा सेवाए दी गई । शिविर में विश्वविद्यालय के प्राध्यापकों, स्टॉफगण एवं छात्र-छात्राओं ने रक्तदान किया शिविर में कुल 205 यूनिट रक्तदान किया गया। साथ ही राष्ट्रीय विज्ञान दिवस होने पर विश्वविद्यालय के कृषि विभाग द्वारा द साइंस ऑफ मशरुम टेक्नोलॉजी फॉर हेल्थ, वेल्थ एंड प्रोसपेरिटी विषय पर संगोष्ठी का आयोजन भी किया गया जिसके अंतर्गत मेवाड़ विश्वविद्यालय, एवं जीवन धारा ऑफ ग्रोविंग मशरूम सीकर के संयुक्त उद्यम से विश्वविद्यालय में मशरूम ट्रेनिंग सेंटर प्रारम्भ किया गया । सेंटर का उदघाटन चेयरपर्सन डॉ. अशोक कुमार गदिया एवं जीवन धारा के चेयरमैन मोटा राम शर्मा द्वारा किया गया। सेंटर में मशरूम से सम्बंधित प्रायोगिक ज्ञान दिया जायेगा।

गंगरार। रक्तदान करते हुए।

Dainik Navajyoti 29-02-2020

मेवाड़ विश्व विद्यालय के शिविर में 205 यूनिट रक्तदान

मशरूम ट्रेनिंग सेंटर स्थापित

गंगरार, 28 फरवरी (जसं.)। मेवाड़ विश्वविद्यालय में स्व. भंवर लाल गदिया एवं नन्द लाल गदिया की स्मृति में शुक्रवार को आयोजित रक्तदान शिविर का उद्घाटन विश्वविद्यालय चैयरपर्सन डॉ. अशोक कुमार गदिया एवं उनकी माता ने किया।

रक्तदान शिविर में सांवलिया हॉस्पिटल चित्तौड़गढ़ के डॉ. अनिल सैनी एवं उनकी टीम द्वारा सेवाए दी गई। शिविर में विश्व विद्यालय के प्राध्यापकों, स्टॉफ एवं छात्र-छात्राओं ने 205 यूनिट रक्तदान किया। इसके साथ ही राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर विश्वविद्यालय के कृषि विभाग द्वारा द साइंस ऑफ मशरुम टेक्नोलॉजी फॉर हेल्थ, वेल्थ एंड प्रोस्पेरिटी विषय पर आयोजित संगोष्ठी में विश्वविद्यालय एवं जीवन धारा ऑफ ग्रोविंग मशरूम सीकर के संयुक्त उद्यम से विश्वविद्यालय में मशरूम ट्रेनिंग सेंटर प्रारम्भ किया गया। सेंटर का उद्घाटन चेयरमैन डॉ. अशोक कुमार गदिया एवं जीवन धारा के चेयरमैन मोटा राम शर्मा ने किया।

सेंटर के प्रारंभ होने से विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान के छात्रों एवं मशरुम के क्षेत्र में रोजगार चाहने वाले इच्छुक ग्रामीणों को मशरूम से सम्बंधित प्रायोगिक ज्ञान दिया जायेगा। इस अवसर पर मशरुम किंग ऑफ इंडिया के नाम से प्रसिद्ध मोटाराम शर्मा ने मशरूम तकनीकी से जुड़े पहलुओं पर चर्चा कर छात्रों को लाभान्वित किया।

Jannayak: 29-02-2020

रक्तदान व मशरूम ट्रेनिंग सेंटर स्थापित

गंगरार. मेवाड़ विश्वविद्यालय में भंवरलाल गदिया एवं नन्दलाल गदिया की स्मृति में रक्तदान शिविर का शुभारंभ विवि के चैयरपर्सन डॉ अशोक कुमार गदिया एवं उनकी माता ने किया। गदिया ने कहा कि रक्तदान समाज सेवा का एक बड़ा स्त्रोत हैं जिसमें आप भागीदारी निभा सकते हैं। शिविर में विश्वविद्यालय के प्राध्यापकों, स्टॉफ एवं छात्र-छात्राओं ने रक्तदान किया। शिविर में कुल 205 यूनिट रक्तदान किया गया। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस होने पर विश्वविद्यालय के कृषि विभाग द्वारा द साइंस ऑफ मशरुम टेक्नोलॉजी फॉर हेल्थ वेल्थ एंड प्रोस्पेरिटी विषय पर संगोष्ठी का आयोजन भी किया गया। मेवाड़ विश्वविद्यालय एवं जीवन धारा ऑफ ग्रोविंग मशरूम सीकर के संयुक्त उद्यम से विश्वविद्यालय में मशरूम ट्रेनिंग सेंटर प्रारम्भ किया गया।सेंटर का उदघाटन चेयरपर्सन डॉ गदिया एवं जीवन धारा के चेयरमैन मोटा राम शर्मा द्वारा किया गया। सेंटर के प्रारंभ होने से विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान के छात्रों को एवं इच्छुक ग्रामीण जनता जो मशरुम के क्षेत्र में रोज़गार पाना चाहते हैं या खेती करना चाहते है को मशरूम से सम्बंधित प्रायोगिक ज्ञान दिया जायेगा ।

Rajasthan Patrika, 29-02-2020